यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों की आपत्तियों पर मंथन, 148 विद्यालयों ने उठाए सवाल

- 171 आपत्तियों को जिलाधिकारी ने सुना, केंद्र निर्धारण पर अंतिम फैसला नहीं
- नकल विहीन परीक्षा के लिए मानकों और सुरक्षा व्यवस्था पर सख्ती



पडरौना, कुशीनगर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में आयोजित जनपद स्तरीय समिति की बैठक में विद्यालयों की आपत्तियों पर विस्तार से सुनवाई हुई। जनपद के 148 विद्यालयों ने परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर कुल 171 आपत्तियां दर्ज कराई थीं। जिलाधिकारी ने संबंधित विद्यालयों के पक्ष और समस्याओं को गंभीरता से सुना। हालांकि, बैठक में आपत्तियों के निस्तारण पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण शासन और माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए।

इसमें किसी भी स्तर पर मनमानी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की उपलब्धता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यालय मुख्य संपर्क मार्ग से जुड़े होने चाहिए। परिसर की बाउंड्रीवाल मजबूत होनी चाहिए और सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील रहने चाहिए। प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षित स्ट्रांग रूम तथा मजबूत अलमारियों की व्यवस्था भी जरूरी है। परीक्षा कक्षों की खिड़कियों में शीशे और जाली लगी होनी चाहिए तथा कोई भी खिड़की मुख्य सड़क की ओर नहीं खुलनी चाहिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी विवादित या संदेहास्पद विद्यालय को परीक्षा केंद्र न बनाया जाए। परिषद से अनधिकृत, डिबार अथवा ब्लैकलिस्टेड विद्यालयों को केंद्र बनाने पर प्रतिबंध रहेगा। केंद्र निर्धारण में निर्धारित दूरी के मानकों का पालन किया जाए। दूरी को लेकर मिली शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर निस्तारण किया जाए। पहली बार परीक्षा केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का सत्यापन कराया जाएगा। जिन विद्यालयों ने केंद्र बनने में असमर्थता जताई है, वहां के परीक्षार्थियों के लिए निकटतम उपयुक्त केंद्र पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण, पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। मानकों की अनदेखी अथवा लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

रामायण मंचन में राम जन्म से सीता स्वयंवर तक की कथा का जीवंत चित्रण, अहिल्या प्रसंग ने किया भावविभोर

- विधायक पीएन पाठक ने किया पांच दिवसीय आयोजन का शुभारंभ, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ पूजन-अर्चन



कसया, कुशीनगर। दिलीपनगर (धनीपट्टी) स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में ओम सेवा समिति के तत्वावधान में पांच दिवसीय भव्य रामायण मंचन का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुशीनगर विधायक पीएन पाठक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पूर्व विधायक हाटा पवन केडिया,कु ?वा स्टेट उपेंद्र कुमार सिंह,डॉ. कालिंदी त्रिपाठी एवं सुधीर शाही की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर पंचायत दुदही के चेयरमैन प्रतिनिधि मोहम्मद अजीम आलम की विशेष उपस्थिति रही। अतिथियों को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।सांस्कृतिक संगम, सलेमपुर-गोरखपुर के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशक मानवेंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में रामायण के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया। पहले दिन भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर सीता स्वयंवर तक की कथा को मंच पर जीवंत किया गया। विशेष रूप से देवी अहिल्या के प्रसंग को निर्देशक मानवेंद्र त्रिपाठी ने नए और प्रभावशाली कलेवर में प्रस्तुत किया। इस प्रसंग के माध्यम से पुरुष प्रधान समाज में स्त्रियों को मिलने वाली पीड़ा, उपेक्षा और अपमान के विरुद्ध उन्हें स्वयं जागरूक होकर शक्ति स्वरूपा बनने तथा अपने अधिकारों के लिए खड़े होने का संदेश दिया गया। इस प्रस्तुति को दर्शकों की खूब सराहना मिली।मंचन के दौरान राम जन्म, अहिल्या उद्धार, पुष्प वाटिका प्रसंग, सीता स्वयंवर, परशुराम-लक्ष्मण संवाद तथा भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह से लेकर विदाई तक के दृश्यों का सजीव चित्रण किया गया। कलाकारों के अभिनय, संवाद और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को कथा के साथ जोड़ दिया। कई प्रसंगों में दर्शक भावविभोर नजर आए।कार्यक्रम संयोजक डॉ. चंद्रशेखर सिंह के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, आरके भट्ट, वीरेश राय, प्रधान प्रतिनिधि कामोद सिंह, जयप्रकाश, अक्षय गुप्ता, संजय कौशिक, दयाशंकर सिंह, बालिस्टर सिंह, रामचंद्र गुप्ता, अखिलेश पाण्डेय, भृगुनाथ श्रीवास्तव, मनोज कुमार सिंह, विनोदकांत मिश्रा, पप्पू पाण्डेय, विनय ठाकुर, सिद्धेश्वर शाही, अनिरुद्ध सिंह एवं अशोक पाण्डेय, आ ?ताब आलम,सहित आयोजन समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।आयोजकों के अनुसार रामायण मंचन का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और नैतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। यह आयोजन सात नवंबर तक प्रतिदिन शाम सात बजे से जारी रहेगा। आयोजक मंडल ने क्षेत्रवासियों से सपरिवार पहुंचकर रामायण मंचन का आनंद लेने और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने की अपील की है।

कटान रोकने के नाम पर एपी तटबंध पर बोरियों का खेल, गुणवत्ता पर उठे सवाल

- जवही दयाल में आधी मिट्टी भरी बोरियां नदी में फेंकने का आरोप, रात में काम कराने का वीडियो वायरल

बभनौली (कुशीनगर)। बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन एपी तटबंध पर गंडक नदी का कटान लगातार जारी है। जवही दयाल गांव के अहिर टोला और मुसहर बस्ती के पास कटान रोकने के लिए कराए जा रहे बचाव कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने बोरियों में निर्धारित मात्रा से कम मिट्टी भरने और उन्हें व्यवस्थित तरीके से लगाने के बजाय सीधे नदी में फेंकने का आरोप लगाया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कटान रोकने के लिए इस्तेमाल की जा रही कई बोरियों में आधी या उससे भी कम मिट्टी भरी जा रही है। वहीं, रात के अंधेरे में बोरियां भरकर नदी में फेंकने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि बोरियों को जाल में बांधकर व्यवस्थित तरीके से लगाने के बजाय सीधे पानी में डालने से उनके बहने और बिखरने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बचाव कार्य में इस्तेमाल हो रही बोरियों की संख्या, उनमें भरी जा रही मिट्टी की मात्रा और उन्हें लगाने की प्रक्रिया का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि तटबंध की मजबूती हजारों लोगों के घर, खेत और आजीविका की सुरक्षा से जुड़ी है। ऐसे में केवल कार्य पूरा दिखाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस संबंध में बाढ़ खंड के एसडीओ दीपरतन सिंह ने बताया कि गंडक नदी का दबाव बना हुआ है। देर शाम कटान की सूचना मिलने पर जियोबैग और बोल्डर डालकर कटान रोकने का कार्य कराया जा रहा है।

अब सवाल यह है कि बचाव कार्य में इस्तेमाल हो रही बोरियों की गुणवत्ता और उन्हें नदी में डालने की प्रक्रिया की जांच कौन करेगा? ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

फाजिलनगर कुशीनगर। न्यायालय के आदेश पर फाजिलनगर के कालेज रोड स्थित ओमप्रकाश ज्वैलर्स के विरूद्ध धोखाधड़ी व जालसाजी का मुकदमा दर्ज करके पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। चौराखास थाने के उस्मानपुर निवासी दिनेश सिंह ने न्यायालय में याचिका दाखिल करके आभूषण की दुकान पर आरोप लगाते हुए कहा था कि बीते तीन अगस्त को उक्त ज्वैलर्स के यहां से 92 प्रतिशत के शुद्धता की रसीद के साथ एक पायल व चांदी की चेन लिया था जो लेने के कुछ दिन बाद ही काला होने लगा। इस बारे में दुकानदार को बताया तो उन्होंने खून में खराबी की बात कहकर वापस कर दिया। इसके बाद मैने गुणवत्ता की जांच कराया तो आभूषण 92 नहीं 42 प्रतिशत का निकला। जिसकी जानकारी दुकानदार को दिया तो वे मारपीट पर उतारू हो गए। पटहेरवा थाने में तहरीर दिया पुलिस अधीक्षक को शिकायत किया किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई तब जाकर कसया के सिविल जज जूनियर डिविजन के यहां वाद दाखिल करके न्याय की गुहार लगाई किसके क्रम में माननीय न्यायालय ने दोषी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई के लिए कहा तत्पश्चात थाने ने मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष अरूण कुमार सिंह ने कहा कि मुकदमा दर्ज हो गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

संतकबीरनगर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन, 412 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत मंगलवार को जिला सेवायोजन कार्यालय एवं हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद के संयुक्त तत्वावधान में वृहद रोजगार मेले एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में लगभग 867 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 412 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रजेश त्रिपाठी ने कहा कि भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। रोजगार पाने के लिए केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषयगत ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता, संवाद क्षमता, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण भी जरूरी है।विशिष्ट अतिथि शैक्षिक महासंघ के संरक्षक प्रो. विजय राय ने कहा कि वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा, तकनीकी विकास और वैश्वीकरण का है। युवाओं को उपलब्ध अवसरों को पहचानकर उनके अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए।

महाविद्यालय के प्लेसमेंट संयोजक डॉ. विजय कुमार मिश्र ने युवाओं को नौकरी के साथ-साथ उद्यमशीलता और रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक, स्वरोजगार और कृषि आधारित उद्योगों में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. नेहा सिंह, डॉ. दीप्शी सिंह, डॉ. श्रवण गुप्ता, विन्देश्वर सिंह सहित विभागीय अधिकारी, महाविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

आन्तरिक परीक्षा सकुशल सम्पन्न

भटनी(देवरिया) रामगुलाम राय पीजी कालेज सब्हरपुर बनकटाशिव में बी एड विभाग द्वारा आयोजित तृतीय समेस्टर की आन्तरिक परीक्षा का आयोजन किया गया।जिसमें तृतीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षुओं का मिडटर्म/आन्तरिक सकुशल सम्पन्न हुई । बी एड विभागाध्यक्ष डॉ मनमोहन सिंह डॉ राधारमण मिश्र डॉ राहुल मिश्र डॉ माया के सामूहिक नेतृत्व में सम्पन्न हुई । प्रशिक्षुओ की भी आन्तरिक परीक्षा में अहम भुमिका रही ।

अंग्रेजी प्रवक्ता ने ज्वांइट मजिस्ट्रेट को भेंट किया अपनी रचना *रास्ते बुलाते हैं*



हाटा(कुशीनगर)। बुधवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिला जनगणना अधिकारी मयंक त्रिपाठी को श्री गांधी स्मारक इण्टर कालेज हाटा के अंग्रेजी प्रवक्ता व जनगणना प्रशिक्षक अजय वर्मा ने अपनी दूसरी पुस्तक रास्ते बुलाते हैं सप्रेम भेंट किया।

एस. डी. एम.मयंक त्रिपाठी को यह जानकार प्रसन्नता हुई कि श्री गाँधी स्मारक इण्टर कॉलेज हाटा के अंग्रेजी प्रवक्ता एवं वर्तमान में तहसील हाटा के रेवेन्यू इंस्पेक्टर ऑफिस में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे फील्ड ट्रेनर अजय वर्मा द्वारा लिखित है। उन्होंने पुस्तक की विषय वस्तु के बारे में अपनी जिज्ञासा प्रकट करते हुए इसके बारे में पूछा।

उन्हें यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि यह पुस्तक एक यात्रावृत्तांत है। उन्होंने अजय वर्मा को लेखन कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस दौरान फील्ड ट्रेनर डॉ अंजू श्रीवास्तव प्रवक्ता - संस्कृत नेहरू इण्टर कॉलेज सेमरी,सुकरौली भी उपस्थित रहीं।

वाट सुवर्णभूमि बुद्ध जयंती में धूमधाम से मना बौद्ध धर्मगुरु वाचिराफोथियोंग का आयु संस्कार समारोह

कुशीनगर। भारत-नेपाल के धम्म दूत, भिक्षुओं के चीफ और वाट थाई बोधगया के प्रमुख बौद्ध धर्मगुरु फ्रा फ्रोम वाचिराफोथियोंग के 72 वर्ष पूर्ण होने पर मंगलवार को आयु वट्टन मंगल (जन्मदिन) के पावन अवसर पर



भव्य पुण्य समारोह आयोजित किया गया।थाईलैंड में वाट सुवर्णभूमि बुद्ध जयंती, अंबो बांगसाओथोंग, जिला समुतप्राकान में आयोजित मुख्य समारोह की अध्यक्षता वाट थाई बुद्धगया के महंत एवं भारत-नेपाल धर्मदूत प्रमुख परम पूज्य फ्रा फोथिवोंग ने की। उन्होंने भिक्षु संघ एवं श्रामणेरों को पिंडपात्र (भिक्षा दान) एवं प्रात:कालीन भोजन अर्पित कर पुण्य अर्जित किया।भारत में भी चीफ भंते का जन्मदिवस कुशीनगर, बोधगया, सारनाथ, सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न बौद्ध विहारों में मनाया गया, जहां भिक्षुओं ने बुद्ध प्रतिमा के समक्ष पूजन-अर्चन कर संघदान दिया।समारोह में वाट थाई लुम्बिनी के महंत एवं भारत-नेपाल धर्मदूत उपप्रमुख परम पूज्य फ्रा राज फोथि विंतेत वज्रसुथी, वाट थाई कुशीनगर छलमराज के महंत एवं महासचिव परम पूज्य फ्रा राज फोथि विदेश बज्रमुनि सहित भारत-नेपाल धर्मदूत मंडल के अनेक वरिष्ठ भिक्षुगण मौजूद रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भिक्षा दान कर पूज्य गुरु के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।इस दौरान मंदिर परिसर बौद्ध मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा। आयोजन में डॉ. पी. सोम पोंग, पी. सोन करान, पी. नालोंग, पी. रंग सीट सहित भिक्षु और उपासक मौजूद रहे।

भक्ति, संस्कृति ,परम्परा के संगम में गूंजा विद्यालय परिसर

भटनी(देवरिया)स्थानीय नगर के केवडा मुहल्ला में स्थित के के पब्लिक एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में छठ पर्व



वभगवान श्रीराम के अयोध्या वापसी पर भारतीय संस्कृति ,धार्मिक आस्था एवं परम्पराओं को जीवंत करने के उद्देश्य से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।

विद्यालय के छात्रावासों द्वारा वन वापसी के प्रसंग पर जीवन्त प्रस्तुतियां की ।जिससे उपस्थित लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया ।लोक आस्था का महापर्व छठ को विधिवत व आस्था के साथ जोडकर कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये । कार्यक्रम के बीच विद्यालय भक्ति में पुरी तरह से सरोबार हो गया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रबन्धक बी के श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से जहाँ सनातन धर्म के परम्पराओं से आम लोगो जानकारी मिलती है ।वही छात्र छात्राओं को वुध्दी व कला कौशल के प्रति रुझान के साथ - साथ आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है ।कार्यकारी निदेशक अजय कुमार वर्मा के साथ छात्र छात्रिओ एवं स्कूल के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे । अन्त में कार्यकारी निदेशक अजय कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की सफलता पर भाग लेने वाले छात्र छात्राओं की सराहना करते हुए मंगलमय भविष्य की कामना की ।

रूदवलिया में 329 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण



तुर्कपट्टी,कुशीनगर।जनपदीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय रुदवलिया में बुधवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 329 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।जांचो परांत छात्रों को आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं तथा जिन बच्चों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं उनके अभिभावकों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में उपचार कराने की सलाह दी गई। फाजिलनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आरबीएसके टीम-बी के डॉ0 पवन बहादुर सिंह,डॉ0 भूपेंद्र सिंह एवं फार्मासिस्ट सदरे आलम ने बच्चों के स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान एनीमिया, विटामिन-ए एवं विटामिन-डी की कमी,त्वचा,दांत,कान, आंख तथा अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। परीक्षण के दौरान कुछ बच्चों में बुखार,खांसी,चर्म एवं दंत संबंधी समस्याएं मिलीं जिन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं।डॉ 0पवन बहादुर सिंह ने अभिभावकों से बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की अपील की।उन्होंने कहा कि यदि बुखार या खांसी लगातार बनी रहे तो बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा न लें बल्कि तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने,साफ एवं उबला पानी पीने तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने की भी सलाह दी।इस अवसर पर शिक्षक जितेन्द्र नाथ त्रिपाठी,रामकुंवर प्रसाद,सुनील त्रिपाठी,वेद प्रकाश त्रिपाठी,मनोज सिंह, संतोष प्रसाद,सुनैना मिश्रा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

आधुनिक शिक्षा के साथ साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय करता है भारतीय शिक्षा बोर्ड





कुशीनगर । बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर में भारतीय शिक्षा बोर्ड की मंडल स्तरीय बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता व भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन रिटायर्ड आईएएस डॉ एनपी सिंह ने कहा कि यह बोर्ड एक राष्ट्रीय स्तर का स्कूल शिक्षा बोर्ड हैं। इसमें आधुनिक शिक्षा के साथ साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय किया गया है। पाठ्यक्रम एनसीईआरटी के आधार पर है। कहा कि बोर्ड के प्रमाणपत्र की स्वीकार्यता संबंधित नियमों एवं निर्धारित पात्रता के अनुसार उन संस्थानों में है जहाँ सीबीएसई के प्रमाण पत्र स्वीकार्य किये जाते है।

इसके विद्यार्थी जेईई, नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकेंगे। देश विदेश के विद्यालयों में प्रवेश के अवसर भी प्राप्त कर सकेंगे। शिक्षा में कौशल विकास एवं उद्यमिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बोर्ड इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों एवं संभावनाओं के अनुरूप विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल एवं सामर्थ्य और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य अतिथि डीएम संजय चौहान ने कहा कि विद्या से विनय की प्राप्ति होती है और शिक्षा मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा में अपार ज्ञान और संभावनाएं समाहित है। उन्होंने अनुभव आधारित शिक्षा को वर्तमान समय की आवश्यकता इस ज्ञान को समझने अन्वेषित करने और वर्तमान समय के अनुरूप समाज तक पहुंचाने की है। ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट जी अक्षय दीपक ने कहा कि अनुभवजन्य ज्ञान के बिना शिक्षा अधूरी है। शिक्षा में व्यवहारिक अनुभव को शामिल करने से विद्यार्थियों में समस्याओं को समझने और उनका उचित समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने खेत में पहुंच कर स्वयं कराई धान की क्रॉप कटिंग,एक डिसमिल में मिली 37 किलो उपज



हाटा(कुशीनगर)। किसानों की फसलों की वास्तविक उत्पादकता का आकलन करने और सरकारी आंकड़ों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मयंक त्रिपाठी ने नगरपालिका के पंडित दिन दयाल उपाध्याय नगर पटनी में धान की फसल की क्रॉप कटिंग कराई। इस दौरान उन्होंने स्वयं खेत में पहुंचकर फसल कटाई की प्रक्रिया का निरीक्षण किया और निर्धारित मानकों के अनुसार उपज का आकलन कराया।

सरकार द्वारा क्रॉप कटिंग के माध्यम से खेत में धान की वास्तविक पैदावार का आंकड़ा प्राप्त किया जाता है। इससे कृषि उत्पादन के सही आकलन के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति, फसल बीमा और कृषि संबंधी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध होते हैं। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया को निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप संपन्न कराने पर जोर दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित कर्मचारियों से प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से खेतों में पहुंचकर क्रॉप कटिंग कराने की पहल से कृषि उत्पादन के आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

इसका उद्देश्य किसानों की मेहनत और फसल की वास्तविक उत्पादकता को सरकारी अभिलेखों में सही तरीके से दर्ज करना है।इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने किसानों को माल्यार्पण कर स्वागत भी किया और उनके मेहनत लगन की सराहना किया।

इस दौरान क्षेत्रीय लेखपाल, कानूनगो, कृषि विभाग के कर्मचारी व किसान मौजूद रहे। किसानों ने भी उपजिलाधिकारी को माल्यार्पण कर स्वागत किया।इस दौरान सभासद अमित मणि,रवेश मणि,अनिल मणि सहित अन्य मौजूद रहे।